तीन वर्षीय हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम संक्षेपिका (मूल पाठ्यकम का पाठ्यांश निर्देशी संक्षिप्त रूप)

बी०ए० भाग-1

प्रथम सत्र

प्रथम प्रश्न पत्र

भक्ति काव्य BAH 111

पाठ्यपुस्तक : भक्ति काव्य संग्रह-संपा. हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रकाशन: विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

क्रेडिट: 03

पाठ्याश:

कबीर (कबीर ग्रंथावली- श्यामसुन्दर दास)-
(पद) मन रे जागत रहिये भाई, अकथ कहानी प्रेम की, संतौ भाई आई ज्ञान की आँधी रे, हम न मरै, काहे रे नलिनी, मोको कहाँ ढूढ़े रे बंदे, ना जाने तेरा साहब कैसा है. रहना नहिं देस बिराना है, गाया महा ठगिनि हम जानी, गेरा तेरा मनुआ कैसे इक होई. दुलहिनी गावहुँ मंगलचार, तोहि मोरी लगन लगाये रे फकीरवा, हंसा करो पुरातन बात।
साखी 3.29, 3.33, 3.45, 5.39, 11.2, शेष (10) पूर्ववर्ती पाठ्यक्रम से यथावत

जायसी: पद्मावत मानसरोदक खंड

सूर : अविगत गति कुछ कहत न आवै, जा पर दीनानाथ ढरै, अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल, मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै, किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत, जसोदा हरि पालने झुलावै, मैया हौं न चरैहौ गाइ, मुरली तव गुपालहिं भावति, बूझत स्याम कौन तू गोरी, जसुमति राधा कुंवरि सँवारति, तबही तै हरि हाथ बिकानी, झूलत स्याम स्यामा संग, अद्‌भुत एक अनुपम बाग, ऊधौ मन न भए दस बीस, ऊधौ जोग जोग हम नाहीं । (15)

तुलसी : विनय पत्रिका (गीता प्रेस सं.) पद सं. 14 146, 155, 162, 172, 174 198, 230. रामचरित मानस (गीता प्रेस संरकरण) अयोध्या कांड- दोहा सं. 163 से 169.

द्वितीय प्रश्न पत्र

रीतिकाव्य BAH 112

पाठ्यपुस्तक : रीतिकाव्य संग्रह और काव्यांग परिचय सं.- हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
प्रकाशन: विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

क्रेडिट: 03

पाठ्यांश :

बिहारी: बिहारी (सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) दोहा सं 2, 5, 11, 34, 37, 45, 66, 75, 82, 84, 90, 95, 104, 114, 118, 199, 263, 316, 525, 550 511, 515, 530, 539, 467, 473, 474, 490, 521, 577 (30).
घनानन्द (घनानंद कवित्त सं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र), छंद सं० 2, 3, 4, 5, 6, 8, 10,13, 14, 15 (10) भूषण: (रीति काव्य धारा सं. रामचंद्र तिवारी), छंद सं0 9, 10, 11, 12, 15, 18, 21, 22, 23, 24 (10)

द्वितीय सत्र

तृतीय प्रश्न पत्र

कथा साहित्य BAH121

क्रेडिट: 03

पाठ्यांश :

कहानी: सद्गति, शरणदाता, मलबे का मालिक, वापसी

उपन्यास : चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा

बहती गंगा- रूद्र काशिकेय

चतुर्थ प्रश्न पत्र

निबंध एवं नाटक

पाठ्यपुस्तक: प्रतिनिधि हिन्दी निबंध, सं. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रकाशक संजय बुक सेन्टर,वाराणसी

क्रेडिट : 03

पाठ्यांश :

निबंध : 1. हंस का नीर-क्षीर विवेक, 2. आचरण की सभ्यता, 3. उत्साह 4. शिरीष के फूल, 5. महाकवि की तर्जनी, 6. आँगन का पंछी

नाटक : चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद

बी. ए. भाग-2

तृतीय सत्र

पंचम प्रश्न प्रत्र

आधुनिक काव्य1 BAH 211

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य, सं. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

क्रेडिट : 03

पाठ्यांश:

1) मैथिलीशरण गुप्त: हम कौन थे (अंश-भारत भारती), कैकेयी का अनुताप, प्रियतम तुम श्रुति पथ से।

(2) जयशंकर प्रसाद: मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल कलह, बीती विभावरी जाग री, आह वेदना मिली विदाई, पेशोला की प्रतिध्वनि।

(3) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: बादल राग-6, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुंदरी, तोड़ती पत्थर, राजे ने फिर रखवाली की।

(4) सुमित्रानंदन पंत: मोह, प्रथम रश्मि, भारतमाता ग्रामवासिनी।

(5) महादेवी वर्मा: जब यह दीप थके तब आना, जाग तुझको दूर जाना, मैं नीर भरी दुख की बदली।

षष्ठ प्रश्न प्रत्र

आधुनिक काव्य 2 BAH 212

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य, सं. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

पाठ्यांश : क्रेडिट : 03

(1) माखनलाल चतुर्वेदी: कैदी और कोकिला, उलाहना।

(2) रामधारी सिंह दिनकर: हिमालय, दिल्ली, विपथगा।

(3) केदारनाथ अग्रवाल: मैंने उसको, मुझे नदी से बहुत प्यार है, चंद्रगहना से लौटती बेर।

(4) नागार्जुन: मास्टर, यह दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद।

(5) अज्ञेय : नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, दूर्वादल।

चतुर्थ सत्र

सप्तम् प्रश्न प्रत्र

हिन्दी भाषा का इतिहास BAH 221

पाठ्यांश : क्रेडिट: 03

इकाई 1: (1) हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास (II) प्राचीन भारतीय आर्यभाषायें, (III) मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषायें, (IV) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं की सामान्य विशेषतायें।

इकाई 2: (1) हिन्दी का क्षेत्र निर्धारण, (II) हिन्दी और उसका क्षेत्र-विस्तार, (III) प्रमुख बोलियों का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 3: (1) राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी, (II) राजभाषा हिन्दी एवं उसकी संवैधानिक स्थिति - अनुच्छेद 343 से 351 तक, (III) राजभाषा अधिनियम 1976 का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 4 : (1) खड़ी बोली का विकास, (I) हिन्दी का वर्तमान परिदृश्य-राष्ट्रीय, (II) हिन्दी का वर्तमान परिदृश्य-अंतर्राष्ट्रीय

अष्टम प्रश्न प्रत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

BAH 222

क्रेडिट: 03

पाठ्यांश:

इकाई 1 : (1) हिन्दी साहित्य काल विभाजन एवं नामकरण, (II) आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचना, (III) भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार (IV) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार।

इकाई 2 : (1) निर्गुण भक्ति-काव्यधारा, (II) सूफी काव्यधारा, (III) कृष्ण भक्ति शाखा, (IV) राम भक्ति शाखा

इकाई 3 :(1) आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि, (II) भारतेन्दु युग, (III) द्विवेदी युग, (IV) छायावाद, (V) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता।

इकाई 4: (1) कहानी: विकास, (II) उपन्यास: विकास, (II) नाटक: विकास, (IV) निबंध : विकास।

बी.ए. भाग-3

पंचम सत्र

नवम प्रश्न पत्र

आदिकाव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

BAH 311

पाठ्यांश : **क्रेडिट: 03**

1.1 चंदबरदाई: कयमास वध (प्रारंभिक 10 छंद)

1.2 विद्यापति: कनक भूधर शिखर वासिनि, नन्दक नन्दन कदम्बोरि तरुतरे, देख देख राधा रुप अपार, कि हमें साँझक एक सरि तारा, नव वृन्दावन नव तारा गन। (05)

1.3 अमीर खुसरो : (खुसरो की हिन्दी कविता-सं. बजरत्नदास): मुकरी-156,160,162, 168, 175, 184, 185, 188, 197,204, दोहा-291, 292, 295, पद-286, 293.

2. कबीर : (हजारी प्रसाद द्विवेदी) पद सं 2, 3, 8, 11, 12, 36, 41, 42, 57, 67, 69, 87, 89, 97, 108, 112,

220, 221, 122, 224, 231, 151,154, 165, 234, 235, 243, 245, 249, 250. (30) 3. जायसी : पद्मावत (संपादक-रामचंद्र शुक्ल) नागमती वियोग खंड (19)

दशम प्रश्न पत्र

सगुण भक्ति काव्य

BAH 312

पाठ्यांश: **क्रेडिट : 03**

1. सूरदास : (भ्रमरगीत-सा:- संपादक, रामचंद्र शुक्ल) 6, 9, 10, 108, 109,114, 116,125, 130, 134, 135,138, 141, 143, 146, 151, 155, 157, 172, 197. (20)

2. मीरा: जोगी मत जा मत जा मत जा, छोड़ मत जाज्यो जी महाराज, जोगिया रे प्रीत कियर्थी दुख होई, हे री म्हा तो दरद दिवाणी, पपइया रे पिव की वाणी न बोल, दरस बिण दूखाँ म्हारा णैण, म्हारी जणम जणम रो साथी, बरसीं री बदरिया सावन
री,चाँला वाही देस प्रीतम पावां, माई म्हां गोविन्दगुण गास्यां। (10)

1. तुलसीदास :
कवितावली (गीता प्रेस संस्करण) अयोध्या कांड (सं.1, 2, 5, 6,7, 8, 11, 12, 18, 20, 21, 22)

रामचरितमानस (गीता प्रेस संस्करण) अयोध्याकांड (दोहा सं0 203 से 215 तक)

4. रसखान : (रसखान रचनावली-सं. विद्यानिवास मिश्र) - 1, 2, 3, 18, 25, 27, 31,32,35,55, 67, 82, 122, 125, 135(15)

5. रहीम : दोहे - अनुचित बचन न मानिये, कहि रहीम संपति, जल जात बरि, चित्रकूट में रमि रहे थे रहीम दर दर फिरै, जो गरीब परहित करै, जैसे तुम हमको करी, जैसी परै सो सहि रहे, अब लगी जीनो भलो, मनसिज माली की उपज, यों रहीम सुख होत है, रहिमन कठिन चितानते, रहिमन सराहिये, ओई काम 05 बरदै- निस दिन सास, कासन कहै संदेसवा, बहुत दिना पर पियवा, लैके सुधर सुरूपिया, सरस नहिब अपरधवा।

एकादश प्रश्न पत्र

रीतिकाव्य

BAH 313

पाठ्यांश : क्रेडिट: 03

केशव: (रीति काव्य धारा सं. रामचंद्र तिवारी) वनमार्ग में राम प्रसंग 38 से 47 बिहारी (बिहारी-सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र), दोडा स. 4, 8, 13, 19, 30, 32, 50, 52, 54, 64, 67,71, 77, 116, 146, 163 214, 367, 369, 394, 424, 439, 446, 461, 468 (25) मतिराम : (रीति काव्यधारा सं. रामचंद्र तिवारी, रामफेर तिवारी) 1, 4, 6, 8, 9, 14, 15, 16, 20, 27. (10)

घनानन्द: (घनानंद कवित्त सं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र) पद सं. 7, 24, 27, 29, 41, 42, 58, 63, 83, 88,

(10) पद्माकर (रीति काव्य धारा सं. रामचंद्र तिवारी) पद सं. 2, 9, 10, 12, 13, 14,15, 24, 25, 26. (10)

द्वादश प्रश्न पत्र

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

BAH 314

क्रेडिट: 03

इकाई 1.1 भाषा: परिभाषा, और प्रकृतिगत विशेषताएँ, भाषा और बोली,

1.2 भाषा विज्ञान : परिभाषा, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ।

1.3 भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध,
1.4 हिन्दी की ध्वनियाँ-स्वर और व्यंजन, 1.5 हिन्दी में आगत विदेशी ध्वनियाँ।

इकाई 2 :(1) हिन्दी शब्द सम्पदा (II) हिन्दी की शब्द कोटियाँ-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया-विशेषण का सामान्य परिचय, (III) हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ: सामान्य परिचय, (IV) हिन्दी की कारकीय व्यवस्था (सामान्य परिचय), (V) हिन्दी क्रिया रूपों का सामान्य परिचय।

इकाई 3 :(1) हिन्दी की प्रमुख बोलियों (पूर्वी एवं पश्चिमी हिन्दी) का सामान्य परिचय, (II) देवनागरी का विकास और वैज्ञानिकता, (III) राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति ।

तेरहवाँ प्रश्न पत्र

विशेष अध्ययन (प्राचीन साहित्य)

नोट: पाठ्यक्रम में विशेष अध्ययन के अंतर्गत प्राचीन साहित्य का अध्ययन किया जायेगा। इसके अंतर्गत 3 विकल्प हैं, जिनमें से छात्र को किसी एक का चयन करना है।

सगुण भक्ति काव्य 13 (ब)

BAH 315(2)

क्रेडिट: 03

पाठ्यपुस्तक: सगुण भक्ति काव्य-संग्रह: सं० रामनरेश वर्मा डॉ०- सूर्यनारायण द्विवेदी

पाठ्य अंश :

सूर: भ्रमर के पद संपूर्ण ।

तुलसी: कवितावली, आरंभ से 20 छंद।

मीराबाई पदावली:आरंभ से 15 पद ।

नन्ददास: शरद रजनी वर्णन आरंभ से 15 पद

चौदहवाँ प्रश्न पत्र

विशेष अध्ययन (विविध)

नोट:- इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत चार विकल्प हैं, जिनमें से एक का चयन करना है।

हिन्दी पत्रकारिता 14 (d)

BAH 316(4)

इकाई 1: इतिहास : (1) पत्रकारिता: आशय एवं आवश्यकता(II) भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का अवदान

(III) स्वतंत्रता संघर्ष एवं हिन्दी पत्रकारिता (IV) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता

इकाई 2: (1) समाचार: परिभाषा (II) समाचार के विभिन्न स्रोत (III) समाचार संकलन (IV) संपादन

इकाई 3: (1) भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि (II) शीर्षक कला (III) फीचर लेखन: स्वरूप और उद्देश्य, (IV) साप्ताहिक पत्रिकायें

इकाई 4 : (1) समाचार पत्र में अग्रलेख (II) संपादकीय टिप्पणियों (III) मेकअप, प्रूफ-संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान (IV) पृष्ठ - आकल्पन

छठवाँ सत्र

पंद्रहवाँ प्रश्न पत्र

कथा साहित्य

BAH 321

क्रेडिट: 03

पाठ्यांश :

उपन्यास : 1. रंगभूमि (प्रेमचंद) 2 मैला आँचल (फणीश्वर नाथ रेणु) 3. आधा गाँव (राही मासूम रजा)

कहानियाँ (09): उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), पूस की रात (प्रेमचंद), गदल (रांगेय राघव), बदबू (शेखर जोशी), दोपहर का भोजन (अमरकांत), अमृतसर आ गया है (भीष्म साहनी), काला रजिस्टर (रवीन्द्र कालिया), पार्टीशन (स्वयं प्रकाश) यही सच है (मन्नू भंडारी) ।

(कहानियों से व्याख्या नहीं पूछी जाएगी)

सोलहवाँ प्रश्न पत्र

आधुनिक काव्य (स्वातंत्र्योत्तर)

BAH 322

क्रेडिट: 03

पाठ्यांश:

1 त्रिलोचन : चम्पा काले-काले अक्षर, नदी, कामधेनु, धूप सुन्दर।

2. शमशेर बहादुर सिंह: सागर तट, ये शाम है, बात बोलेगी।

3. मुक्तिबोध: भूल गलती, मैं तुम लोगों से दूर हूँ, बहुत शर्म आती है।

4. धूमिल : अकाल दर्शन, मोचीराम, रोटी और संसद। 5. केदारनाथ सिंह: बनारस, बुनाई का गीत, सन् 47 को याद करते हुए।

सत्रहवां प्रश्न पत्र

हिन्दी गद्य (कथेतर विधायें)

BAH 323

क्रेडिट: 03

पाठ्यांश :

नाटक - अंधेर नगरी (भारतेन्दु)

निबंध - श्रद्धा भक्ति (रामचंद्र शुक्ल), कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (विद्यानिवास मिश्र), लंका की एक रात (कुबेर नाथ राय) आत्मकथा - अपनी खबर (पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र)

अठारहवां प्रश्न पत्र

काव्य शास्त्र

BAH 324

क्रेडिट: 03

इकाई 1:

(1) काव्य के लक्षण (II) काव्य हेतु (III) काव्य प्रयोजन

इकाई 2: (1) प्रमुख संप्रदाय (II) रस संप्रदाय का सामान्य परिचय (III) ध्वनि संप्रदाय का सामान्य परिचय

इकाई 3 : (1) प्लेटो: प्रमुख काव्य सिद्धान्त (II) अरस्तू: प्रमुख काव्य सिद्धान्त (III) मैथ्यू अर्नाल्ड: प्रमुख काव्य सिद्धान्त ।

उन्नीसवाँ प्रश्न पत्र

विशेष अध्ययन (आधुनिक साहित्य)

नोट: इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत 3 विकल्प हैं, जिनमें से एक का चयन करना है।

छायावादी काव्य 19 (अ)

BAH

क्रेडिट

1- जयशंकर प्रसाद : लहर : मधुप गुनगुना कर कह जाता, बीती विभावरी जाग री, आह रे अधीर यौवन, वे कुछ दिन कितने सुन्दर थे, मेरी आँखों की पुतली में, अशोक की चिंता, शेरसिंह का शस्त्र समर्पण।

2- निराला : अपरा: सरोज स्मृति

3- सुमित्रादन पंत: पल्लव: उच्छ्वास, बसंत श्री, स्वप्न, मुसकान, छाया

4-महादेवी वर्मा: नीरजा आरंभ से 08 गीत

स्त्री प्रश्न एवं स्त्री साहित्य 20 (द)

BAH 366(1)

क्रेडिट: 03

पाठ्यांश :

1. चिन्तन - श्रृंखलाओ कडियों (पहाड़वी वर्मा)

2. उपन्यास- दिव्या (यशपाल)

3. उपन्यास - मित्रो मरजानी (कृष्णा सोबती)

4. नाटक -माधवी (भीष्म साहनी)